Baba’s Praise

01/8/2015

- अब जैसे बाप सर्व शक्तिमान् है, तुम्हारी आत्मा को भी शक्तिवान बनाते हैं।
- वह आत्माओं का घर है ना। बाप भी वहाँ है, उनका नाम है शिव। बाप कहते हैं-मेरा असली नाम है कल्याणकारी शिव।
- अब मैं तो विश्व-नाथ हूँ नहीं। विश्व के नाथ तुम बनते हो। मैं बनता ही नहीं हूँ। ब्रह्म तत्व के नाथ भी तुम बनते हो। तुम्हारा वह घर है। वह राजधानी है। मेरा घर तो एक ही ब्रह्म तत्व है। मैं स्वर्ग में आता नहीं हूँ। न मैं नाथ बनता हूँ। मेरे को कहते ही हैं शिवबाबा। मेरा पार्ट ही है पतितों को पावन बनाने का। सिक्ख लोग भी कहते हैं मूत पलीती कपड़ धोए..... परन्तु अर्थ नहीं समझते। महिमा भी गाते हैं एकोअंकार..... अजोनि यानी जन्म-मरण रहित।
- तुम्हें उठते-बैठते, पतियों के पति, बापों के बाप को याद करना है।